दैनिक भास्कर
सीकर, शुक्रवार 25 सितंबर, 2015 16

ग्रांड पेरेंट्स डे पर बच्चों ने दी प्रस्तुतियां

पिलानी | बिरला शिशु विहार में गुरुवार को ग्रांड पेरेंट्स डे मनाया गया। मुख्य अतिथि विश्वनाथ भोमिया व उनकी पत्नी थे। अध्यक्षता प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने की। बच्चों ने लघुनाटिका, कविताओं सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। प्राचार्य ने बच्चों के जीवन में दादा-दादी का महत्व समझाया। कहा कि बच्चों में संस्कार दादा-दादी से ही मिलते हैं।

Dear Sir / Madam.
for your kind persual.
27/9/15

www.seemasandesh.in सीमा सन्देश 3

दादा-दादी दिवस मनाया

पिलानी। गुरुवार को बिरला शिशु विहार के प्रांगन मे दादा-दादी दिवस मनाया गया। प्राथमिक और पूर्व प्राथमिक छात्र-छात्राओं ने दादा-दादी दिवस पर आज कार्यक्रम मे रंगारंग प्रस्तुति के साथ-साथ समाज और परिवार के उत्थान में बुजर्गों के महत्व पर प्रकाश डाला और हर एक छोटे बच्चे के जीवन में जन्म से उनके दादा-दादी और बुजर्गों का क्या योगदान है, पर प्रकाश डाला और इस विषय पर लघुनाटिका और कविताएं भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्यातिथि श्रीमती और विश्वनाथ भोमिया थे।

नन्हे-नन्हे बालक और बालिकाओं ने अपने परिवार में बुजुर्गों के प्यार और योगदान पर अपने-अपने विचार कविताओं और गीतों के माध्यम से प्रस्तुत किये और बताया कि वर्तमान में परिवार में दादा-दादी और बच्चों के सान्निध्य का बहुत महत्व है। इनकी सेवा से हर प्राणी को स्वर्ग प्राप्त हो सकता है। मुख्यातिथि भोमिया ने बताया कि पिलानी स्तर पर बिरला शिशु विहार ने ही इस दिवस को मनाने की पहल की है जो कि वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों के लिए एक सम्मान की बात है। अपने उद्बोधन में भोमिया ने बताया कि बिरला शिशु विहार निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और वरिष्ठ लोगों को इस स्कूल के बच्चों से बहुत प्यार और आशाएं भी हैं।

दादा-दादी दिवस पर विद्यालय के नो-निहाल विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए।

प्राचार्य पवन वशिष्ट ने अपने उद्बोधन में दादा-दादी दिवस पर प्रकाश डाला और बताया कि यह दिवस बच्चों के लिए दादा-दादी के प्रति प्यार दिखाने और उनसे आशीर्वाद लेने का एक अवसर है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य पवन वशिष्ट ने सभी पधारे हुए बच्चों के दादा-दादी, नाना-नानी और अभिभावकों को साधुवाद के साथ धन्यवाद दिया। मंच का संचालन वेलिका शर्मा और मनन सिंघला ने किया। कार्यक्रम में प्राथमिक विभाग के सभी टीचर्स और बच्चे उपस्थित थे। उपस्थित सभी टीचर्स ने बच्चों के प्रदर्शन की भूरी-भूरी प्रशंसा और सराहना की।